News Clips:-

आयोजन भाषा एवं संस्कृति विभाग के तत्वावधान में पंडित चंद्रधर शर्मा गुलेरी की जयंती पर हुआ कार्यक्रम

सफलता प्राप्त करने को प्रशिक्षणार्थियों का मार्गदर्शन

कार्यालय संवाददाता-मंडी

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान मंडी में बुधवार को भाषा एवं संस्कृति विभाग मंडी के तत्त्वावधान में पंडित चंद्रधर शर्मा गुलेरी जयंती के अवसर पर कार्यक्रम हुआ, जिसमें उनके द्वारा अंतरंग हृदय से लिखित साहित्य के अद्भुत लेखों द्वारा नव युवा समाज का मार्गदर्शन किया गया। इस पुण्य अवसर पर जिला भाषा अधिकारी प्रमिला गुलेरिया ने संस्थान के लगभग 200 प्रशिक्षणार्थियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने मार्गदर्शन में नारी की सहनशीलता, जिंदगी में सफलता प्राप्त करने के लिए कर्मठता, जुनून, धैर्य और समय का सदुपयोग को अमूल्य रत्न बताया। अपनी सांस्कृतिक धरोहर को सभ्यता की मिसाल के रूप में यथास्थिति कायम रखने के लिए साहित्य को अपने जीवन का आधारभूत दर्शन बनाने के लिए प्रेरित किया। समाज में हो रहे संस्कारों के अधरूपतन के प्रति गंभीरता पूर्वक संज्ञान लेते हुए यह सुझाया कि नर और नारी दोनों ही समाज के चारित्रिक रूप अनुबंधित करने का एक अनोखा अद्भुत माध्यम है, जिसमें एक-दूसरे की भावनाओं का समान कर आदर्श के रूप में एक अच्छे सामाजिक परिवेश का निर्माण किया जा सकता है। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (ग्रेड-ए) मंडी के प्रधानाचार्य एवं असिस्टेंट अपरेंटिस एडवाइजर इंजीनियर शिवेंद्र डोगर ने बताया कि साहित्य अपने अंदर आंदोलित विचारों को समाज के सम्मुख विभिन्न लेखों के रूप में रखकर-विचार क्रांति, सुसंस्कृत व्यवहार और अच्छे प्रबंधन को समाज को प्रदान करने की एक अद्भुत प्रक्रिया है। इस अवसर पर संस्थान के चार प्रशिक्षणार्थियों ने गुलेरी के जीवन पर भाषण दिए, जिसके लिए जिला भाषा अधिकारी ने उनको सर्टिफिकेट और हर एक प्रतिभागी को 500 रुपए भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर साहित्यक विशेषज्ञ के रूप में जगदीश कपूर ने गुलेरी की एक विख्यात प्रेम कहानी उसने कहा था कि चर्चा नाटकीय रूप में की। साथ ही युवा वर्ग को संदेश देते हुए बताया कि हमारा मूल स्वरूप विशुद्ध प्रेम है और यह कहानी उसका द्योतक और प्रतीक है। इस मौके पर कार्यक्रम के समन्वयक प्रदीप ठाकुर, भाषा अनुदेशक ने साहित्य को समाज का दर्पण कहा और समाज में सौहार्द्र को बढ़ाने और कायम रखने के लिए साहित्य का पठन-पाठन जीवन का एक अभिन्न अंग बताया। कार्यक्रम में विशेष रूप से संस्थान के समूह अनुदेशक एमके शर्मा, राजेंद्र और अन्य अनुदेशक वर्ग में जगजीत राणा, रवि दत्त शर्मा, अखिल, विशाल राणा काबिंद्रा एवं नीलम सक्रिया रूप से उपस्थित रहे।

खास बात सेवाएं देने के लिए घरद्वार पहुंच रहे प्रशिक्षु, बाजार से कम रेट में कर रहे मरम्मत कार्य

इलेक्ट्रीशियन या प्लंबर चाहिए तो आईटीआई राजगढ़ में करें फोन

नितिन भारद्वाज - राजगढ़

राजगढ़ आईटीआई के प्रशिक्षु अब एक फोन कॉल के जरिए घरों में खराब पड़े बिजली उपकरणों को ठीक करने के लिए पहुंच रहे हैं। कौशल आपके द्वार कार्यक्रम के तहत आईटीआई प्रशिक्षु अपने अनुदेशक के साथ कार्य को अंजाम दे रहे हैं। राजगढ़ शहर व साथ लगते गांवों में आईटीआई राजगढ़ के इलेक्ट्रीशियन व प्लंबर ट्रेड के प्रशिक्षु अपने अनुदेशक के साथ अपने ट्रेड संबंधी कार्य करने में जुटे हुए हैं। इससे जहां प्रशिक्षुओं को प्रैक्टिकल कर अनुभव हासिल हो रहा है तो वहीं लोगों के भी घरद्वार

ई. नवीन कुमारी प्रधानाचार्य आईटीआई राजगढ़

कम कीमत पर काम हो रहे हैं। कौशल आपके द्वार कार्यक्रम के तहत आईटीआई प्रशिक्षुओं को निपुण बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में अब लोगों को घरों में विद्युत उपकरणों की मरम्मत के अलावा प्लंबर कार्य के लिए अब इलेक्ट्रीशियन व प्लंबर की तलाश के लिए गांव में नहीं भटकना पड़ेगा। महज एक कॉल पर मरम्मत कार्य करने वाले प्रशिक्षु लोगों के घरद्वार पहुंच जाएंगे। इलेक्ट्रिकल संबंधी कार्य के लिए प्रशिक्षुओं को आठ किलोमीटर के दायरे में काम करने पर 100 रुपए अदा करने होंगे। आठ किलोमीटर से आगे कार्य को जाने पर 10 रुपए प्रति किलोमीटर की एवज में अदा करने होंगे। आईटीआई राजगढ़ में इलेक्ट्रीशियन व प्लंबर संबंधी कार्य करवाने की लोगों को सुविधा रहेगी। आईटीआई राजगढ़ की प्रधानाचार्य ई. नवीन कुमारी ने बताया कि प्रशिक्षु अनुदेशक के साथ लोगों के घरों में कार्य कर रहे कार्यक्रम किसी वरदान से कम हैं। प्रशिक्षुओं के लिए यह नहीं है। (एचडीएम)

हॉस्पिटेलिटी एंड टूरिज्म कोर्स के दाखिले आज से

नालागढ़। राजकीय महाविद्यालय नालागढ़ में क युनिटी कालेज के तहत चल रहे एडवांसड डिप्लोमा इन हॉस्पिटेलिटी एंड टूरिज्म कोर्स के अंतर्गत एडमिशन प्रक्रिया सोमवार 11 जुलाई से प्रारंभ हो रही है। इस कोर्स में एडमिशन प्रक्रिया 30 जुलाई तक चलेगी। किसी भी संकाय में जमा दो पास इच्छुक विद्यार्थी, इस कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं। आयु सीमा का कोई बंधन नहीं है। यह कोर्स यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त है। इस कोर्स में छह महीने की अवधि के लिए सर्टिफिकेट 1 वर्ष की अवधि के लिए डिप्लोमा और दो वर्ष की अवधि के लिए एडवांस डिप्लोमा प्रदान किया जाता है। कोर्स में विद्यार्थी कभी भी एंट्री और एग्जिट कर सकते हैं । प्राचार्य डा. पवन कुमार सलारिया ने बताया कि इस कोर्स को करने के पश्चात विद्यार्थी होटल इंडस्ट्री में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। इस कोर्स के नोडल ऑफिसर संदीप कुमार ने बताया कि विद्यार्थी 11 जुलाई से कम्युनिटी कालेज में आकर एडमिशन प्राप्त कर सकते हैं। एडमिशन फॉर्म कम्युनिटी कालेज से ही प्राप्त होगा और विद्यार्थियों के लिए प्रोस्पेक्टस महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाएगा।

दिव्य हिमाचल Mon, 11 July 2022
https://epaper.divyahimachal.com/c/69109424

रमौर amarujala.com

एक फोन कॉल पर घर में सेवाएं देने के लिए पहुंच जाएंगे आईटीआई के प्रशिक्षु

प्लंबिंग, वेल्डिंग और बिजली उपकरणों की मरम्मत करवाने की मिलेगी सुविधा

चंद्र ठाकुर

नाहन (सिरमौर)। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) नाहन के प्रशिक्षु अब लोगों के घर पहुंचकर प्लंबिंग, वेल्डिंग व बिजली उपकरणों की मरम्मत करेंगे। इसके लिए लोगों को आईटीआई प्रबंधन को फोन कॉल करनी होगी।

आईटीआई प्रशिक्षु घरद्वार सुविधा प्रदान करेंगे और उपभोक्ताओं को निर्धारित किया गया शुल्क अदा करना होगा। सरकार की कौशल आपके द्वार योजना आईटीआई नाहन में जल्द शुरू हो रही है। इसके तहत वेल्डिंग, प्लंबिंग, विद्युत उपकरणों की मरम्मत के अलावा विद्युत खराबी दूर करने जैसे कार्य किए जाएंगे।

नाहन में आठ किलोमीटर की परिधि में मरम्मत कार्य करने के लिए उपभोक्ताओं को 100 रुपये अदा करने होंगे। आठ किलोमीटर से बाहर जाने पर यह शुल्क दस रुपए प्रति किलोमीटर वहन किया जाएगा।

कौशल आपके द्वार योजना के तहत नाहन आईटीआई देगी सेवाएं

कार्य से मिलने वाली कुल राशि का 90 फीसदी प्रशिक्षुओं को मिलेगा

वर्तमान में आईटीआई नाहन में वेल्डर, प्लंबर और इलेक्ट्रिशियन ट्रेड की सुविधा उपलब्ध है। योजना शुरू होने के बाद उपरोक्त ट्रेड से जुड़े उपकरणों की मरम्मत के लिए लोग आईटीआई कॉल करके सुविधा प्राप्त कर सकते हैं।

प्रशिक्षुओं की ओर से किए गए कार्य से मिलने वाली कुल राशि का 90 फीसदी प्रशिक्षुओं को मिलेगा। इसके अलावा दस फीसदी भाग आईटीआई प्रबंधन के खाते में जमा किया जाएगा। यह राशि संस्थान के विकासात्मक कार्यों पर खर्च होगी।

खास बात यह है कि प्रशिक्षु केवल सर्विस उपलब्ध करवाएंगे। रिपेयर में लगने वाले सामान को उपभोक्ताओं को स्वयं वहन करना होगा।

इस योजना के शुरू होने से प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण के दौरान ही रोजगार के साधन उपलब्ध होंगे। प्रधानाचार्य अशरफ अली ने बताया कि औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नाहन के प्रशिक्षु अब लोगों के घर जाकर प्लंबिंग और बिजली मरम्मत के कार्य करेंगे।

उन्होंने बताया कि सरकार की कौशल आपके द्वार योजना के तहत यह सुविधा प्रशिक्षुओं को मिलेगी। नाहन आईटीआई में इस योजना को जल्द शुरू किया जा रहा है। लोगों को अब एक फोल कॉल पर उनके घर में सेवाएं उपलब्ध होंगी। संवाद

प्रगति आईटीआई में दाखिले शुरू

राजगढ़ (सिरमौर)। प्रगति आईटीआई राजगढ़ में सत्र 2022-23 के लिए सभी ट्रेडों में दाखिले शुरू हो गए हैं। संस्थान के प्रधानाचार्य अजय कुमार ने बताया कि मौजूदा सत्र आरंभ करने को लेकर शिक्षकों की हुई बैठक में विस्तार से चर्चा की गई।

उन्होंने बताया कि संस्थान को कौशल विकास भत्ता के अंतर्गत अधिकृत किया गया है। संस्थान में इलेक्ट्रिशियन ट्रेड के अतिरिक्त कुछ कोर्स एनआईओएस के अंतर्गत भारत सरकार की ओर से मान्यता प्राप्त है। इसमें कटिंग एंड टेलरिंग व सर्टिफिकेट इन कंप्यूटर एप्लीकेशन के कोर्स भी करवाए जा रहे हैं। संवाद

बिजली मेकेनिक या प्लंबर चाहिए तो आईटीआई में करें फोन कॉल

सेवाएं देने के लिए घर-द्वार पहुंच रहे प्रशिक्षु, बाजार से कम दामों में कर रहे मरम्मत कार्य

संवाद न्यूज एजेंसी

चंबा। आईटीआई प्रशिक्षु अब एक फोन कॉल के जरिये घरों में खराब पड़े बिजली उपकरणों को ठीक करने के लिए पहुंच रहे हैं।

'कौशल आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत आईटीआई प्रशिक्षु अपने अनुदेशक के साथ कार्य को अंजाम दे रहे हैं। शहर के साथ लगते ओबड़ी में आईटीआई चंबा के इलेक्ट्रीशियन ट्रेड के प्रशिक्षु अपने अनुदेशक के साथ बिजली संबंधी कार्य करने में जुटे हुए हैं।

इससे जहां प्रशिक्षुओं को प्रैक्टिकल कर अनुभव हासिल हो रहा है तो वहीं लोगों के भी घर-द्वार कम कीमत पर काम हो रहे हैं। 'कौशल आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत आईटीआई प्रशिक्षुओं को निपुण बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में अब लोगों को घरों में विद्युत उपकरणों की मरम्मत के अलावा घर निर्माण कार्य के लिए अब इलेक्ट्रीशयन, मेकेनिक, वेल्डर मेकेनिक की तलाश के लिए गांव में नहीं भटकना पड़ेगा। महज एक कॉल पर मरम्मत कार्य करने वाले प्रशिक्षु लोगों के घर-द्वार पहुंच जाएंगे। इलेक्ट्रीकल संबंधी कार्य के लिए प्रशिक्षुओं को आठ किलोमीटर के दायरे में काम करने पर सौ रुपये अदा करने होंगे। आठ किलोमीटर से आगे कार्य को जाने पर दस रुपये प्रति किलोमीटर की एवज में अदा करने होंगे।

प्रशिक्षु 'कौशल आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत कर रहे काम

आईटीआई सलूणी में इलेक्ट्रीशयन और चंबा आईटीआई में इलेक्ट्रीशयन, वेल्डर जबकि भरमौर आईटीआई में प्लंबर, कोटी आईटीआई में वेल्डर और गरनोटा में प्लंबर संबंधी कार्य करवाने की लोगों को सुविधा रहेगी। आईटीआई चंबा के प्रधानाचार्य विपिन शर्मा ने बताया कि ओबड़ी में प्रशिक्षु अनुदेशक के साथ लोगों के घरों में कार्य कर रहे हैं। प्रशिक्षुओं के लिए यह कार्यक्रम किसी वरदान से कम नहीं है।

बिजली तार की मरम्मत करते औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रशिक्षु। -संवाद